

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
दूसरी तिमाही - वित्तीय वर्ष 2018-19
सम्मेलन कॉल
2 नवंबर, 2018

प्रबंधन : पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की टीम :

- श्री राजीव शर्मा - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
- श्री सी गंगोपाध्याय - निदेशक (परियोजना)
- श्री एन बी गुसा - निदेशक (वित्त)

मॉडरेटर : सुश्री श्वेता दफ़्तरदार - प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड

संचालक

देवियो एवं सज्जनों, नमस्कार, प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के वित्तीय वर्ष 2019 की दूसरी तिमाही के अर्जन कॉन्फ्रेंस कॉल में आप सबका स्वागत है। हम याद दिलाना चाहेंगे कि सभी प्रतिभागी लाइनें केवल सुनने के लिए होंगी। प्रस्तुति समाप्त होने के बाद आपको प्रश्न पूछने का अवसर प्रदान किया जाएगा। (संचालक के अनुदेश) कृपया नोट करें कि यह सम्मेलन रिकॉर्ड हो रहा है।

अब मैं यह कॉन्फ्रेंस प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड से सुश्री श्वेता दफ़्तरदार को सौंपता हूँ। धन्यवाद, महोदया अब आप अपनी बात रखें।

श्वेता दफ़्तरदार, विश्लेषक

हां। तनवी, आपका धन्यवाद। प्रभुदास लीलाधर की ओर से मैं पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की वित्तीय वर्ष 2019 की दूसरी तिमाही की अर्जन कॉल में आप सभी का स्वागत करती हूँ। हमारे साथ पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के प्रबंधन का नेतृत्व करने वाले श्री राजीव शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक; श्री सी गंगोपाध्याय, निदेशक (परियोजना) और श्री एन बी गुसा, निदेशक (वित्त) हैं।

अब मैं उद्घाटन टिप्पणी के लिए कॉन्फ्रेंस को श्री शर्मा को सौंपना चाहूँगी, जिसके बाद प्रश्न एवं उत्तर सत्र होगा। धन्यवाद, महोदय अब आप अपनी बात रखें।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

हमें यह अवसर प्रदान करने के लिए आपका बहुत - बहुत धन्यवाद। सभी को नमस्कार। इस कॉन्फ्रेंस कॉल में मैं आप सभी का स्वागत करता हूँ। मैंने यह कॉन्फ्रेंस कॉल विद्युत क्षेत्र में हाल की घटनाओं, वित्तीय वर्ष 2018-19 की दूसरी तिमाही में पीएफसी के वित्तीय एवं प्रचालनात्मक निष्पादन तथा भावी व्यवसाय परिदृश्य के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए बुलाई है।

सबसे पहले, मैं विद्युत क्षेत्र में हाल की कुछ घटनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना चाहूँगा।

जैसा कि आपको जानकारी होगी, भारत सरकार ने मध्यावधि आधार पर 2500 मेगावाट विद्युत खरीदने की एक पायलट योजना शुरू की थी। इस कार्यक्रम के लिए पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड नोडल एजेंसी थी। अगले तीन वर्षों के लिए किसी मूल्य वृद्धि के बगैर 4.24 रुपए प्रति यूनिट के टैरिफ पर 1900 मेगावाट के लिए बोलियां प्राप्त हुई थीं।

हाल ही में योजना के अंतर्गत बिहार, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे विभिन्न राज्यों के साथ 1900 मेगावाट के लिए विद्युत क्रय करार पर हस्ताक्षर किए गए। सफल बोलीदाताओं में निम्नलिखित शामिल हैं :

- आरकेएम पावरजेन - 550 मेगावाट,
- झाबुआ पावर - 100 मेगावाट,
- एमबी पावर मध्य प्रदेश - 175 मेगावाट,
- एसकेएस पावर जेनरेशन छत्तीसगढ़ - 300 मेगावाट,
- जिंदल इंडिया थर्मल पावर - 125 मेगावाट, आईएल एंड एफएस तमिलनाडु पावर कंपनी - 550 मेगावाट, और
- जेपी पावर वेंचर्स - 100 मेगावाट।

इससे दबावग्रस्त परियोजनाओं को बहाल करने में मदद मिलेगी, जो विद्युत क्रय करार के अभाव में प्रचालन नहीं कर रही थीं तथा समाधान के अधीन कुछ परियोजनाओं की लाभप्रदता में भी सुधार होगा।

राज्यों की ओर से पीएफसीसीएल शक्ति नीति के अंतर्गत विद्युत मांग का संग्रह करेगा और शीघ्र कोयला लिंकेज के साथ मध्यम अवधि के विद्युत क्रय करार के लिए योजना लाएगा।

जहां तक विद्युत की मांग का संबंध है, विद्युत के लिए मांग में वृद्धि हो रही है। पहली छमाही के लिए पीक मांग में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा यह अप्रैल से सितंबर 2017 के दौरान 1.64 लाख मेगावाट से बढ़कर अप्रैल से सितंबर 2018 के दौरान 1.77 लाख मेगावाट पर पहुंच गई है। ऊर्जा की आवश्यकता में भी 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा यह 2017-18 की पहली छमाही में 620 बिलियन यूनिट से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में लगभग 658 बिलियन यूनिट हो गई है। हम उम्मीद करते हैं कि सौभाग्य तथा सबके लिए 24/7 विद्युत पर सरकार के फोकस को देखते हुए आगे भी विद्युत की मांग में समान गति से वृद्धि होगी।

जहां तक कोयले की आपूर्ति का संबंध है, कोयला मंत्रालय तथा रेल मंत्रालय के साथ विद्युत मंत्रालय स्थिति की समीक्षा कर रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल कोयले के प्रेषण में 10 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। यह देखते हुए कि सर्दी के दिन आ रहे हैं, हमें कोयले की कमी के कारण कोई प्रभाव नहीं दिखता है। ऐसी संभावना है कि मंत्रिमंडलीय सचिव की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त समिति शीघ्र ही विद्युत क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी।

अब मैं पीएफसी के कार्य- निष्पादन के कुछ मुख्य विशेषताओं के बारे में बताना चाहूँगा।

व्यवसाय विकास के मोर्चे पर, इस तिमाही के दौरान हमारी ऋण परिसंपत्तियों में 13 प्रतिशत से अधिक की मजबूत वृद्धि हुई है तथा हमारी ऋण परिसंपत्तियों का मूल्य 2,92,648 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में इसका मूल्य 2,58,050 करोड़ रुपए था।

लाभप्रदता के मोर्चे पर, हमारे लाभ में वित्त वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा यह 2,728 करोड़ रुपए है, जबकि यह इंड एएस रिपोर्टिंग के आधार पर वित्तीय वर्ष 2017-18 में 2,348 करोड़ रुपए था। पिछली दो तिमाहियों के लिए हमारा ब्याजगत स्प्रेड और एनआईएम क्रमशः लगभग 2.50 प्रतिशत और 3.30 प्रतिशत पर स्थिर था। हम उम्मीद करते हैं कि आगे भी इन्हीं स्तरों पर ब्याजगत स्प्रेड बना रहेगा।

वित्तीय वर्ष 2019 की दूसरी तिमाही में 17505 करोड़ के संवितरण के साथ वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में हमारा संवितरण अब तक का सबसे अधिक रहा है जिससे हमारा एच1 संवितरण 30486 करोड़ हो गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 4000 करोड़ रुपए अधिक है।

हमने शुरू हो चुकी परियोजनाओं के पुनर्वित्तपोषण और ग्रीनफील्ड की नवीकरणीय परियोजनाओं के वित्त पोषण में अपने प्रयासों को जारी रखा है।

मैं आपको यह सूचित करना चाहता हूँ कि पिछले वित्तीय वर्ष में हमने जिनका उल्लेख किया है उनको छोड़कर दबावग्रस्त परिसंपत्तियों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। जहां तक एनपीए या चरण 3 का संबंध है, हमने देखा कि 960 करोड़ रुपए के ऋण वाली एक पिछली दबावग्रस्त परियोजना चरण 3 में चली गई है। साथ ही 4.6 प्रतिशत निवल प्रावधान अर्थात् लगभग 250 करोड़ रुपए के रिवर्सल के साथ निर्धारित अवधि पूरी हो जाने के कारण लगभग 5300 करोड़ रुपए के एक राज्य क्षेत्र ऋण को अपग्रेड किया गया। इस तिमाही के लिए हमारा निवल एनपीए 4.66 प्रतिशत है जो वित्तीय वर्ष 2019 की पहली तिमाही के एनपीए स्तर के समान है। मुझे आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि पिछली तिमाही से हमारे पूंजी पर्याप्तता अनुपात में सुधार हुआ है और यह अतिरिक्त प्रावधान जिसे पीएफसी इंड एएस तथा आरबीआई के मानदंडों के कारण कर रहा है, के बावजूद 15 प्रतिशत की आरबीआई आवश्यकता के निमित्त 17.91 प्रतिशत है।

अब मैं हमारी ऋण परिसंपत्ति बही के बारे में स्पष्ट करना चाहूँगा। हमारा कुल ऋण परिसंपत्ति पोर्टफोलियो लगभग 2.93 लाख करोड़ रुपए है जिसमें से सरकारी क्षेत्र ऋण 2.41 लाख करोड़ रुपए अर्थात् 82 प्रतिशत और निजी क्षेत्र ऋण 52000 करोड़ रुपए अर्थात् 18 प्रतिशत है। जहां तक 2.41 लाख करोड़ रुपए की सरकारी ऋण बही का संबंध है, सरकारी क्षेत्र के ऋणदाता अपनी देयताओं को नियमित रूप से चुका रहे हैं। इसलिए हम सरकारी क्षेत्र के ऋणदाताओं के संबंध में कोई दबाव नहीं

देखते हैं। लगभग 52000 करोड़ रुपए के निजी क्षेत्र के एक्सपोजर के मामले में, लगभग 22000 करोड़ रुपए का निजी क्षेत्र का ऋण अर्थात हमारी ऋण बही का 8 प्रतिशत अपनी देय राशि को नियमित रूप से चुकता हो रहा है और हमें कोई दबाव नहीं दिख रहा है। अतः हमारी कुल परिसंपत्ति बही का 90 प्रतिशत किसी भी प्रकार के दबाव के अधीन नहीं है।

शेष में से लगभग 30000 करोड़ रुपए की शेष निजी ऋण परिसंपत्तियां में से अर्थात 27 परियोजनाएं, जैसा कि पहले बताया गया है :

- हमें 5 ऋणों में लगभग 5000 करोड़ रुपए की न्यूनतम कटौती की उम्मीद है।
- लगभग 25000 करोड़ रुपए की शेष निजी ऋण परिसंपत्तियों के निमित्त 55 प्रतिशत का प्रावधान किया जा चुका है।

मैंने जिन 5 परियोजनाओं का पहले उल्लेख किया है उनके अलावा अब मैं आपको अन्य 22 दबावग्रस्त परियोजनाओं के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान करना चाहूँगा।

- 8254 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ 5 परियोजनाएं समाधान के उन्नत चरणों में हैं।
 - ये परियोजनाएं जीएमआर छत्तीसगढ़, झाबुआ पावर, केएसके महानदी हैं जहां सौदों (डील) को बंद करने के लिए एच1 बोलीदाता के साथ बातचीत चल रही है।
 - इंडियाबुल्स अमरावती तथा एस्सार महान जहां मौजूदा प्रबंधन द्वारा एकबारगी समझौता (वन टाइम सेटलमेंट) प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, अंतिम रूप दिए जाने के अधीन हैं।

इस प्रकार हम इन 5 परियोजनाओं में संभावित समाधान देखते हैं जहां पहले से किया गया कुल प्रावधान लगभग 48 प्रतिशत है।

- 5155 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ आरकेएम पावरजेन यूनिट 1 और 2 में, अच्छी खबर यह है कि पायलट पीपीए योजना के तहत 550 मेगावाट के लिए पीपीए पर अब हस्ताक्षर हो गए हैं। अब हम आरपी-4 रेटिंग के बाद पुनर्गठन की कवायद को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से क्लियरेंस को प्रचालित करने के लिए सहमति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। परियोजना के लिए पहले से किया गया प्रावधान 43 प्रतिशत है।
- इंडियाबुल्स नासिक में, हमारा एक्सपोजर 3001 करोड़ रुपए का है। महाजेनको के साथ बातचीत अभी भी जारी है। इसके अलावा हमने भारतीय रिजर्व बैंक के 12 फरवरी के परिपत्र के प्रावधान के अनुसरण में आईबीसी के अंतर्गत एनसीएलटी में याचिका दाखिल की है। एनसीएलटी की अगली सुनवाई 26 नवंबर 2018 को है। कंपनी महाराष्ट्र के साथ पीपीए को बहाल करने के लिए भी प्रयास कर रही है, जिसमें मुकदमा चल रहा है। इस परियोजना के लिए पहले से किया गया प्रावधान 39 प्रतिशत है।

- 8100 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ 9 परियोजनाओं का समाधान एनसीएलटी के माध्यम से किया जा रहा है। इन 9 परियोजनाओं में पहले से किया गया कुल प्रावधान 74 प्रतिशत है।
- इसके अलावा अन्य परियोजनाएं जहां ऋणदाताओं का सकल एक्सपोजर 2000 करोड़ रुपए से अधिक था, पीएफसी / ऋणदाताओं ने जीएमआर छत्तीसगढ़ को छोड़कर आईबीसी के अंतर्गत एनसीएलटी में याचिकाएं दाखिल की हैं। तथापि, माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश को ध्यान में रखते हुए याचिकाओं को आगे नहीं बढ़ाया गया है।
- 298 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ 4 परियोजनाओं का समाधान भी डीआरटी या एसएआरएफईएसआई तंत्र के माध्यम से किया जा रहा है तथा इन परियोजनाओं के लिए पहले से ही 100 प्रतिशत प्रावधान है।
- 250 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ शेष 2 परियोजनाएं इस प्रकार हैं :
 - आरएस इंडिया - इसके लिए प्रमोटर द्वारा ओटीएस प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है जो विचाराधीन है।
 - एस्टोनफील्ड - हाल ही में परियोजना एनसीएलटी के अंतर्गत दाखिल की गई है।

इन दो परियोजनाओं के लिए पहले से किया गया कुल प्रावधान 59 प्रतिशत है।

इस प्रकार 22 परियोजनाओं जो कुल 25000 करोड़ रुपए के समाधान के विभिन्न चरणों में हैं, उन परियोजनाओं में पहले से ही 55 प्रतिशत का प्रावधान कवरेज है। दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए अब तक प्राप्त बोलियों के आधार पर, हम किसी अतिरिक्त प्रावधान के आगे बढ़ने की संभावना नहीं देखते हैं। इसके अलावा, आरबीआई के स्पष्टीकरण पर भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों के अनुसार विवेक के आधार पर किए गए 1400 करोड़ रुपए के अतिरिक्त प्रावधान के रिवर्सल की संभावना है। आरबीआई के स्पष्टीकरण के अभाव में भी एक अवधि में 14 करोड़ रुपए रिवर्स होंगे, जैसा कि पहली तिमाही के दौरान हमारे कोन्फ्रेंस कॉल में बताया गया था।

जहां तक प्रावधान का संबंध है, हमारा विश्वास है कि दबावग्रस्त परिसंपत्तियों जो समाधान के अधीन हैं, पर नुकसान को समाहित करने के लिए हमारा प्रावधान पर्याप्त है। पीएफसी दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए बोलीदाताओं से भी बातचीत कर रहा है। बाजार से हमें जो फीडबैक प्राप्त हुआ है वह यह है कि कुछ बोलीदाताओं जिन्होंने रुचि की अभिव्यक्ति चरण में भाग लिया और अंततः बोली प्रस्तुत नहीं की थी, ने देखा कि अन्यो के अलावा दो प्राथमिक कारण थे, वे इन दबावग्रस्त परियोजनाओं पर वाणिज्यिक एवं तकनीकी कॉल लेने के लिए स्थानीय साझेदारों के साथ अनुबंध कर रहे थे, और वे भी देयताओं, को लेकर आश्वस्त नहीं थे जो एनसीएलटी प्रक्रिया के बाहर उत्पन्न हो सकती हैं। तथापि, वे अब एनसीएलटी प्रक्रिया में भाग लेने के काफी इच्छुक हैं और इसका कारण यह है कि देयता के मुद्दे का समाधान हो गया है और वे अब विद्युत परियोजनाओं पर वाणिज्यिक कॉल लेने के लिए स्थानीय तकनीकी साझेदारों के साथ अनुबंध करने के उन्नत चरण पर हैं। हमने कुछ राज्य विद्युत यूटिलिटी के साथ भी चर्चा की है जिन्होंने एनसीएलटी के अंतर्गत दबावग्रस्त

परियोजनाओं के लिए भी बोली प्रक्रिया में भाग लेने में गहरी रुचि प्रदर्शित की है।

इसलिए हमारा विश्वास है कि दबावग्रस्त परियोजनाओं के लिए बोलीप्रक्रिया में रुचि एनसीएलटी प्रक्रिया से अधिक हो सकती है। अतः भले ही उच्चतम न्यायालय 24 नवंबर 2018 को एनसीएलटी के बाहर समाधान की खिड़की बंद कर दे, एनसीएलटी के अंतर्गत बोलीदाताओं की रुचि यदि समान नहीं रही तो अधिक हो सकती है। इसके अलावा दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए गठित उच्च स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति विद्युत परियोजना को प्रभावित करने वाले सेक्टरल मुद्दों के समाधान की गति तेज करने के उद्देश्य से चर्चा कर चुकी है तथा उम्मीद है कि रिपोर्ट को बहुत शीघ्र अंतिम रूप दे दिया जाएगा। यह भी उम्मीद है कि एनसीएलटी के अंतर्गत परियोजना के मूल्य को बनाए रखने के लिए संभावित समाधान हेतु एनसीएलटी के अंतर्गत पीपीए और एफएसए के निरसन/रद्दीकरण के मुद्दे पर भी विचार किया जाएगा।

चूंकि भारत सरकार तथा सभी स्टेकधारकों द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और विद्युत की मांग में वृद्धि होने की प्रबल संभावना है इसलिए हमें पूरी उम्मीद है कि दबावग्रस्त परियोजनाएं भविष्य में बेहतर मूल्य प्रदान कर सकती हैं।

जहां तक हमारे विदेशी मुद्रा ऋण का संबंध है, हमारा कुल विदेशी मुद्रा ऋण 3.6 बिलियन अमरीकी डालर अर्थात कुल ऋण का 11 प्रतिशत है। 3.6 बिलियन अमरीकी डालर में से 2 बिलियन अमरीकी डालर अर्थात 56 प्रतिशत को पहले से ही हेज किया जा चुका है। शेष खुले अंश में से 700 मिलियन अमरीकी डालर अर्थात 20 प्रतिशत लगभग 9 वर्ष बाद परिपक्व होगा तथा आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार अपफ्रंट हेजिंग अनिवार्य नहीं है। 950 मिलियन अमरीकी डालर अर्थात 24 प्रतिशत की औसत परिपक्वता ढाई से तीन वर्ष है तथा इस खुले अंश के लिए परिपक्व होने के लिए पर्याप्त समय है। इसलिए हम विनिमय दर में वर्तमान अस्थिरता के कारण कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं देखते हैं।

अब मैं चलनिधि (लिक्विडिटी) के मुद्दे पर आना चाहूंगा। आईएल एंड एफएस चूक पश्चात मुद्दों के आलोक में कुछ निवेशकों ने बाजार में चलनिधि को लेकर चिंता व्यक्त की थी। यहां मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि अपने प्रचालनों और व्यवसाय विकास के लिए हमारे पास पर्याप्त चलनिधि है, जो इस तिमाही और छमाही के लिए संवितरण की हमारी संख्याओं से भी देखी जा सकती है। अनाहरित सीसी या ओडी लिमिट के रूप में हमारे पास लगभग 10000 करोड़ रुपए भी हैं। चलनिधि के संबंध में ब्यौरे हमारी प्रस्तुति में उपलब्ध कराए जा चुके हैं।

इसके अलावा जहां तक आईएल एंड एफएस ग्रुप को हमारे ऋण एक्सपोजर का संबंध है, हमने 2500 करोड़ रुपए के एक्सपोजर के साथ 5 एसपीवी का निधीयन किया है। तथापि, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि ये पवन परियोजनाएं हैं जिनकी सकारात्मक विशेषताएं हैं जैसे कि :

- ये सभी शुरू हो चुकी परियोजनाएं हैं।
- इन परियोजनाओं के अच्छे पीपीए भी हैं।
- उन्होंने इस वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में 30 से 50 प्रतिशत की रेंज में प्लांट लोड फैक्टर प्रदर्शित किया है।
- इसके अलावा सह बाध्यताधारी(co-obligator) संरचना भी है जो अतिरिक्त सहूलियत प्रदान करती है।
- यह भी समझा जाता है कि जापान का ओरिक्स कॉर्पोरेशन इन परियोजनाओं में अधिसंख्य स्वामित्व का अधिग्रहण कर सकता है।
- इसके अलावा इन परियोजनाओं के लिए न्यास एवं अवधारण लेखा में पर्याप्त नकदी प्रवाह है।

इन सभी सकारात्मक पहलुओं को देखते हुए हम पीएफसी द्वारा वित्तपोषित आईएल एंड एफसी परियोजनाओं में कोई जोखिम नहीं देखते हैं।

अब मैं आपको हमारे भावी व्यवसाय के बारे में जानकारी प्रदान करना चाहूंगा। हम अपने परिसंपत्ति आधार में शुरू हो चुकी और अधिक परियोजनाओं को शामिल करने के लिए पुनर्वित्तपोषण के व्यवसाय पर बल देना जारी रखेंगे। हमने अब तक अपशिष्ट से ऊर्जा की दो परियोजनाओं को भी संस्वीकृत किया है तथा हम इस क्षेत्र में वित्त पोषण के अवसरों की तलाश करना जारी रखेंगे। अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने की एक और परियोजना भी मूल्यांकन के अधीन है। हम नवीकरणीय व्यवसाय पर भी बल देना जारी रखेंगे। हम भविष्य में विविधीकरण के लिए अन्य अवसरों की तलाश करने के साथ साथ 54 ईसी बॉण्ड के तहत अधिक धनराशि जुटाने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करना जारी रखेंगे। हम विदेशी मुद्रा के बॉण्ड लाने की संभावना भी तलाश रहे हैं तथा अपने ऋणों में विविधता लाने के लिए मसाला बॉण्डों का उपयोग करने की भी योजना बना रहे हैं।

अंत में, हमने इंड एस रिपोर्टिंग प्रणाली को सुचारु ढंग से अपना लिया है तथा छमाही के लिए हमारी सूचित निवल लाभ वृद्धि 16 प्रतिशत है। इस तिमाही में हमारा कुल प्रावधान 17,162 करोड़ रुपए पर पहुंच रहा है तथा हमने अपनी दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए पर्याप्त रूप से प्रावधान किए गए हैं और हम भविष्य में अतिरिक्त प्रावधान की संभावना नहीं देखते हैं। इसलिए हमारा यह विश्वास है कि दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए प्रावधान की दृष्टि से अब बुरे दिन पीछे छूट गए हैं। हमें भारतीय रिजर्व बैंक से स्पष्टीकरण प्राप्त होने पर आरबीआई के मानदंडों पर अतिरिक्त प्रावधान से रिवर्सल तथा कुछ दबावग्रस्त परिसंपत्तियों पर रिवर्सल की भी संभावना है। बाजार से प्राप्त फीडबैक के आधार पर हमारा यह भी विश्वास है कि एनसीएलटी के अंतर्गत समाधान से निवेशक समुदाय से रुचि में काफी वृद्धि हो सकती है, विशेष रूप से इसलिए कि विद्युत क्षेत्र के मुद्दों का समाधान देश में सर्वोच्च स्तर पर हो रहा है, जहां हम सिफारिशों के शीघ्र आने की उम्मीद कर रहे हैं। ऋण देने (लेंडिंग) के व्यवसाय में विविधता लाने पर निरंतर फोकस के आधार पर हम भविष्य में अपनी ऋण वृद्धि को बनाए रखने का इरादा रखते हैं।

अब आप प्रश्न पूछ सकते हैं।

प्रश्न और उत्तर

संचालक

धन्यवाद। अब हम प्रश्न और उत्तर सत्र शुरू करेंगे। (संचालक के अनुदेश) पहला प्रश्न बी एंड के सिक्योरिटीज से बंटी चावला की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

बंटी चावला, विश्लेषक

यह अवसर प्रदान करने के लिए आपका धन्यवाद। जैसा कि आपने बताया, आपने आईएल एंड एफएस की परियोजनाओं का निधीयन किया है, तो क्या आप बता सकते हैं कि आईएल एंड एफएस पर हमारा कितना ऋण बकाया है और कितना एसपीवी के लिए है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

आईएल एंड एफएस में हमारा एक्सपोजर 2500 करोड़ रुपए है। ये शुरू हो चुकी पवन परियोजनाएं हैं तथा ये सभी 5 एसपीवी हैं तथा सबसे बड़ी बात यह है कि न्यास और अवधारण लेखा(ट्रस्ट एवं रिटेंशन अकाउंट) में पर्याप्त नकदी प्रवाह है।

बंटी चावला, विश्लेषक

एक्सपोजर एसपीवी के लिए है तथा होल्डिंग कंपनी के लिए कुछ भी नहीं है, महोदय क्या यह सही है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

जी नहीं। मैं एसपीवी के नाम बता रहा हूँ - लालपुर विंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, खांडके विंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, रातेदी विंड पावर लिमिटेड, एटेसियान ऊर्जा लिमिटेड, विंड ऊर्जा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा राज्य विद्युत (संस्था) यूटिलिटी के साथ इन सभी एसपीवी का 100 प्रतिशत पीपीए है।

बंटी चावला, विश्लेषक

ठीक है। इस समय ये मानक परिसंपत्तियां हैं तथा कोई दबाव नहीं है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

जी नहीं, आज की तारीख में ऐसी कोई समस्या नहीं है।

बंटी चावला, विश्लेषक

ठीक है। और महोदय, जैसा कि आपने कहा, एक परिसंपत्ति इस तिमाही में एनपीए में चली गई है। तो क्या आप उसका नाम बता सकते हैं और इसके पीछे कारण क्या था?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

हां, यह हल्दिया परियोजना है। पहले उनका पीपीए नहीं था, अब उन्होंने दो यूनिटों, जो चालू हो गई हैं, के लिए पश्चिम बंगाल विद्युत वितरण कंपनी से पीपीए प्राप्त किया है। तीसरी यूनिट के लिए उनके पास पीपीए नहीं है इसलिए उसे चालू करने में उनकी रुचि नहीं है। अब वे विद्युत की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं परंतु उनको कोयला प्राप्त करना होगा। पहले इसे दबावग्रस्त के रूप में दर्शाया गया था और अब यह एनपीए में चली गई है क्योंकि वे पश्चिम बंगाल विद्युत वितरण कंपनी को समय पर विद्युत की आपूर्ति करना शुरू नहीं कर सके।

बंटी चावला, विश्लेषक

ठीक है। निजी क्षेत्र के एक्सपोजर में वृद्धि क्यों हुई है या क्या आप बता सकते हैं कि पवन परियोजना में एक्सपोजर कितना होगा तथा उत्पादन तथा इस जैसे में एक्सपोजर कितना होगा, यदि यह संभव है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

वास्तव में, नवीकरणीय परियोजनाएं केवल निजी क्षेत्र द्वारा स्थापित की जा रही हैं। इसलिए नवीकरणीय परियोजनाओं में हमारा शेयर बढ़ रहा है तथा हमने मित्र ग्रुप की परियोजना में लगभग 700 करोड़ रुपए का पुनर्वित्तपोषण किया है।

बंटी चावला, विश्लेषक

ठीक है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

इसी तरह अन्य सरकारी क्षेत्र हैं परंतु निजी क्षेत्र में सामान्यतया यह परिपूर्णता(एकमे) हो सकती है। पिछली बार भी निजी क्षेत्र का शेयर 18 प्रतिशत था, इस बार भी यह हमारी ऋण बही का 18 प्रतिशत है।

बंटी चावला, विश्लेषक

ठीक है। नहीं, मैं वर्ष दर वर्ष के साथ तुलना कर रहा था जिसके आधार पर यहां 16 प्रतिशत से 18 प्रतिशत की वृद्धि है। ठीक है। और महोदय, हाल ही में आपने इसीबी, विदेशी मुद्रा ऋण जुटाया है, जैसा कि आपने प्रेस विज्ञप्ति में कहा है। तो इस समय हेजिंग लागत सहित इसके लिए औसत लागत क्या होगी?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

देखिए, हमने 250 मिलियन डालर की ईसीबी जुटायी है। हेजिंग लागत सहित समग्र लागत 8.56 प्रतिशत के आसपास बैठती है।

बंटी चावला, विश्लेषक

8.95 प्रतिशत?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

8.56 प्रतिशत। 9 प्रतिशत की घरेलू लागत की तुलना में।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

8.56 प्रतिशत।

बंटी चावला, विश्लेषक

ठीक है, 8.56 प्रतिशत।

बंटी चावला, विश्लेषक

ठीक है। और महोदय, अब हम चलनिधि के मुद्दे पर आते हैं जो 20 सितंबर के बाद हुई है। हम क्या अपेक्षा कर रहे हैं, हमारे लिए निधियों की लागत में कितनी वृद्धि हुई है और अगली दो तिमाहियों के लिए इस संबंध में हमारी अपेक्षा क्या है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

देखिए, यदि आप हमारी प्रस्तुति को देखें तो पिछली तिमाही की तुलना में ऋण लेने की हमारी लागत मात्र 8.08 प्रतिशत से बढ़कर 8.09 प्रतिशत हुई है, इस प्रकार उधार लेने की औसत लागत करीब-करीब समान है।

बंटी चावला, विश्लेषक

जी हां, परंतु यह 20 सितंबर के बाद घटित हुआ है इसलिए वित्तीय वर्ष 2019 की पहली छमाही की तुलना में वित्तीय वर्ष 2019 की दूसरी छमाही में अधिकांश प्रभाव दिखने की संभावना है। अतः हमारी अपेक्षा क्या है, लागत में कितनी वृद्धि होगी?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

अगली तिमाही के बारे में अनुमान लगाना बहुत कठिन है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

परंतु यह 8.08 प्रतिशत, 8.09 प्रतिशत, में केवल पहली तिमाही से तुलना कर रहा हूँ।

बंटी चावला, विश्लेषक

ठीक है। चलनिधि के इस मुद्दे के बाद, यदि आपने सीपी, टर्म बॉण्ड जुटाएँ हैं तो इनमें लागत में कितनी वृद्धि हुई है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

सही औसत लागत का आकलन करना बहुत कठिन है क्योंकि मुझे बहुत ऊंची लागतपर कई चुकौतियां करनी हैं जो 9.5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत की रेंज में है।

बंटी चावला, विश्लेषक

ठीक है। ठीक है। ठीक है। ठीक है। महोदय, आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

धन्यवाद। आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न डाइवा कैपिटल से पुनीत श्रीवास्तव की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

पुनीत श्रीवास्तव, विश्लेषक

महोदय, नमस्कार। मेरा पहला प्रश्न टैक्स रेट के संबंध में है, यदि आप देखें तो टैक्स रेट अभी भी काफी अधिक हैं। मेरा मतलब है, हम समझते हैं कि आपको दीर्घावधि के ऋण पर टैक्स में कुछ लाभ मिलता है और इसलिए प्रभावी कर टैक्स रेट होनी चाहिए। परंतु यह अधिक बनी हुई है, वास्तव में, वर्ष पर वर्ष आधार पर यह बढ़ती जा रही है। क्या आप बता सकते हैं कि इसके कारण क्या हैं? और डीटीएल राशि भी काफी अधिक थी। क्या आप इस पर कुछ रोशनी डाल सकते हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

देखिए, हम डीटीए और डीटीएल दोनों ले रहे हैं। इस प्रकार मेरा औसत कर केवल 32 से 33 प्रतिशत के आसपास है। और यह आंकड़े पर आधारित है जो मेरे लेखों में दिख रहा है।

पुनीत श्रीवास्तव, विश्लेषक

महोदय, ठीक है, लेकिन यह सकल कर है, परंतु आपको लाभ मिलता है। क्या आपको दीर्घावधि के ऋण पर कोई लाभ मिलता है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

देखिए, हमें दीर्घावधि के ऋण पर कुछ लाभ मिलता है परंतु प्रभाव बहुत न्यूनतम राशि का है। हमें

केवल अतिरिक्त राशि अर्थात अतिरिक्त ऋण के लिए लाभ मिलता है जो हमने इस तिमाही में किया है।

पुनीत श्रीवास्तव, विश्लेषक

ठीक है। ठीक है। महोदय, सामान्य आधार पर, हमें इस साल कितने कर की कल्पना करनी चाहिए?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

हां, यह 26 से 27 प्रतिशत के आसपास है क्योंकि हमने डीटीए और डीटीएल शुरू किया है जिसकी वजह से यह 32 प्रतिशत आ रहा है।

पुनीत श्रीवास्तव, विश्लेषक

ठीक है। और यह डीटीएल, ये तकनीकी दृष्टि से गैर नकदी अधिकार जैसे हैं।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

हां, मैंने कहा कि नकदी 26 प्रतिशत के आसपास है, शेष गैर नकदी है।

पुनीत श्रीवास्तव, विश्लेषक

बिल्कुल ठीक। बस एक तकनीकी प्रश्न। यह स्प्रेड लगभग फ्लैट है परंतु मार्जिन में सुधार हुआ है। क्या कोई कारण है अथवा इसमें अंदर की कोई बात है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

देखिए, ये गणितीय आंकड़े हैं तथा केवल थोड़ा अंतर है। एनआईएम 3.26 से बढ़कर 3.33 हो गया है तथा स्प्रेड 2.49 से बढ़कर 2.50 हो गया है। ये कमोबेश समान हैं।

पुनीत श्रीवास्तव, विश्लेषक

ठीक है। ठीक है, धन्यवाद। धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न फर्स्ट रैंड बैंक से गौरव बी की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें। फर्स्ट रैंड बैंक से गौरव, कृपया अपना प्रश्न पूछें।

गौरव भुवानिया, विश्लेषक

महोदय, नमस्कार। महोदय, 30 सितंबर की स्थिति के अनुसार आपकी चरण 2 परिसंपत्तियां क्या होंगी?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

इंड एस की परिभाषा के अनुसार चरण I तभी होता है जब 30 दिन से अधिक की चूक होती है,

यह चरण II के रूप में श्रेणीकृत है। इस प्रकार चरण II में हमारे केवल 3000 करोड़ रूपए हैं।

गौरव भुवानिया, विश्लेषक
और इसमें आईएल एंड एफएस परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
जहां तक आईएल एंड एफएस का संबंध है, वे चुकौती करने वाली परिसंपत्तियां हैं इसलिए वह केवल चरण 1 होगा।

गौरव भुवानिया, विश्लेषक
ठीक है। तो क्या आज तक की स्थिति के अनुसार आपने आईएल एंड एफएस एक्सपोजर पर कोई प्रावधान किया है या नहीं किया है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
इसकी आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह मानक परिसंपत्ति है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
यह मानक परिसंपत्ति है तथा जैसा कि मैंने आपको बताया कि टीआरए में हमारे पास पर्याप्त राशि उपलब्ध है।

गौरव भुवानिया, विश्लेषक
ठीक है। मैं एक स्पष्टीकरण चाहता हूँ, आपका जो अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के लिए रिजर्व है वह क्या पूंजीकरण का हिस्सा है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
आरबीडीडी नेटवर्थ का हिस्सा है, यदि आप पूछ रहे हैं तो यही है।

गौरव भुवानिया, विश्लेषक
परंतु क्या आप पूंजीकरण के अनुपात की गणना करते समय आरबीडीडी पर विचार करते हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
जी हां।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
हां, यदि यह नेट वर्थ में शामिल है तो निश्चित ही गणना अनुपात में इसेशामिल किया जाएगा।

गौरव भुवानिया, विश्लेषक

ठीक है। यदि हम इस रिजर्व के कारण अधिक प्रावधान की सुविधा लेते हैं और यदि यह पूंजीकरण का हिस्सा है और यदि आप इस रिजर्व का प्रयोग आगे चलकर अधिक प्रावधान करने के लिए करते हैं तो इसमें आगे चलकर आपका पूंजीकरण भी शामिल होगा।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

देखिए, भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन के अनुसार, टियर 1 और टियर 2 हैं। अतः हम जो भी प्रावधान करते हैं वह टियर 2 का हिस्सा है। और पुनः अधिकतम 1.25 प्रतिशत की ऊपरी सीमा है। अतः हम इस प्रावधान को टियर 2 पूंजी में ले रहे हैं तथा टियर 2 के भाग के रूप में अनुमत अधिकतम प्रावधान की ऊपरी सीमा ऋण बही का 1.25 प्रतिशत है।

गौरव भुवानिया, विश्लेषक

अतः इस रिजर्व में कोई वृद्धिमूलक प्रावधान पी एंड एल के माध्यम से है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

हां।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

प्रावधान पी एंड एल के माध्यम से है। हां, आप सही हैं।

गौरव भुवानिया, विश्लेषक

हां, ठीक है। धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न कोटक सिक्योरिटीज से एम बी महेश की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

एम बी महेश, विश्लेषक

महोदय, नमस्कार। मैं दो बातों पर स्पष्टीकरण चाहता हूँ, आपने कहा कि जीएमआर छत्तीसगढ़, झबुआ पावर, केएसके महानदी के मामले में क्रेता अभी भी सक्रिय हैं तथा आप वार्ता के अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। आप इसे कब बंद करने वाले हैं और जिंदल थर्मल तथा एस्सार माहन के मामले में जहां ओटीएस स्वीकार कर लिया गया है, आप इसे भी कब तक पूरा करने वाले हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

जहां तक जीएमआर छत्तीसगढ़ का संबंध है, हमने एच1 बोलीदाता का चयन किया है और उनके बोर्ड के लिए अनुमोदन प्राप्त करने हेतु सभी ऋणदाताओं को प्रस्ताव भेजा गया है। इसी तरह झबुआ

पावर के लिए, हम एकबारगी समाधान हेतु एक पक्ष के साथ हस्ताक्षर कर चुके हैं तथा पक्ष द्वारा 100 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी प्रदान की गई है। तथा शेष राशि तीन माह के अंदर दी जानी है। और इस झबुआ पावर के मामले में भी हम विभिन्न बोर्डों का अनुमोदन प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार ये समाधान के विभिन्न चरणों पर हैं। इसी तरह अमरावती और एस्सार माह्न में, ओटीएस प्रस्ताव प्राप्त हो गए हैं, ऋणदाताओं ने चर्चा कर ली है और पुनः अमरावती के मामले में कुछ मुद्दे थे परंतु अब सभी मुद्दों का समाधान हो गया है। अब हम इसके लिए स्विस् चैलेंजे करेंगे। और इसी तरह एस्सार माह्न के मामले में भी, हालांकि हम लीड बैंकर नहीं हैं, आईसीआईसीआई बैंक लीड बैंकर है, परंतु मेरी समझ से सभी मुद्दों का समाधान हो गया है तथा वे अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

देखिए इन सभी मामलों में वार्ता समाप्त हो चुकी है, इन मामलों में अब कोई अतिरिक्त वार्ता नहीं की जाएगी। तथापि, इनमें से प्रत्येक संस्थाओं एवं बैंकों के लिए एक अनुमोदन प्रक्रिया है, इसलिए वह अनुमोदन प्रक्रिया इस समय चल रही है। और जैसे ही सभी अनुमोदन प्राप्त हो जाएंगे, हम दस्तावेजों को लाने में समर्थ हो सकते हैं और फिर इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

एम बी महेश, विश्लेषक

महोदय, आपने कॉल में केएसके महानदी का भी उल्लेख किया था।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

जहां तक केएसके महानदी का संबंध है, वार्ता हुई थी और अंततः ऋणदाता समुदाय ने इसे पूर्णतः स्वीकार नहीं किया है। इसलिए इसे एनसीटीएल के लिए दाखिल किया गया है और इसका वहां तार्किक अंत होगा।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

लगभग 20-21 ऋणदाता सहमत हुए थे और शेष 5-6 ऋणदाता अपनी सहमति नहीं दे पाए थे जिसकी वजह से इसे बंद नहीं किया जा सका। अतः अब यह निर्भर है, हो सकता है कि हम एनसीएलटी में जाएं। यह वहां पहले ही दाखिल किया जा चुका है।

एम बी महेश, विश्लेषक

बस एक बात, जीएमआर छत्तीसगढ़ पर, तथा अमरावती के मामले में भी या इनमें से किसी मामले में, क्या आपको ऋणदाताओं से 100 प्रतिशत अनुमोदन की आवश्यकता होती है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

जी हां। 100 प्रतिशत।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

आप जानते हैं कि हर किसी को सहमत होना होता है और वित्तीय दस्तावेज पर हस्ताक्षर करना होता

है, अतः यदि कोई भी सहमत नहीं होता है तो यह समाप्त नहीं होगा और यह निष्कर्ष पर नहीं पहुंचेगा।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

और इस मामले में, जिसका आपने यहां उल्लेख किया है, केएसके महानदी को छोड़कर, आप इस बात को लेकर कैसे आश्वस्त हैं कि इस मामले में 100 प्रतिशत ऋणदाता अनुमोदन प्रदान करेंगे?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

केएसके महानदी के मामले में 100 प्रतिशत सहमति प्राप्त नहीं हुई है। हमारी यह जानकारी है कि यह एनसीएलटी की ओर बढ़ रहा है और संभवतः एनसीएलटी के तहत इसका समाधान हो जाएगा।

एम बी महेश, विश्लेषक

जी नहीं, मैं शेष मामलों के बारे में बात कर रहा हूँ, जो जीएमआर, झबुआ पावर, एस्सार हैं।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

शेष मामलों में अंतर यह है कि वार्ता प्रक्रिया ज्यादातर समाप्त हो गई है और इसलिए ऋणदाताओं द्वारा सर्वसम्मति लगभग हो चुकी है। इसलिए अब प्रत्येक प्रबंधन से अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया चल रही है। इसलिए हमें पूरा विश्वास है कि अनुमोदन प्रक्रिया शीघ्र समाप्त हो जाएगी और फिर हम वित्तीय करार करने में समर्थ होंगे।

एम बी महेश, विश्लेषक

निश्चित रूप से। और मेरी ओर से एक आखिरी प्रश्न, आपने कहा कि ओरिक्स कॉर्पोरेशन आईएफ एंड एलएस की विद्युत परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करने वाला है, जिसमें ताप विद्युत भी शामिल हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

जी नहीं, हम थर्मल में ऋणदाता नहीं हैं, हम केवल पवन ऊर्जा के 5 एसपीवी में ऋणदाता हैं। परंतु वहां भी वे रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित कर रहे हैं तथा मैंने बताया कि बहुत अच्छे पक्ष हैं।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

हम सीधे नहीं जुड़े हैं क्योंकि हमने नियंत्रक कंपनी को कभी ऋण नहीं दिया है। हमने एसपीवी को ऋण दिया है तथा हमारा प्रतिभूति अधिकार पूरी तरह भिन्न है। अतः ओरिक्स कॉर्पोरेशन अतिरिक्त स्टैक ले या न ले - इससे नकदी प्रवाह पर हमारे अधिकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

एम बी महेश, विश्लेषक

ठीक है। ठीक है। ठीक है। बहुत - बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न डॉयचे बैंक से अभिषेक सराफ की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

अभिषेक सराफ, विश्लेषक

नमस्कार। महोदय, मेरा प्रश्न लेने के लिए आपका धन्यवाद। मेरा प्रश्न इस हल्दिया परियोजना पर है जो इस तिमाही फिसल गई है। आपने कहा कि पहले वे शुरू नहीं हो रही थी तथा दो यूनिटों के शुरुआत के लिए अनुमोदन नहीं मिल रहा था। अब वे शुरू हो गए हैं तो क्या आप उम्मीद करते हैं कि संभवतः फिसलाव निकट भविष्य में किसी समय रिवर्स हो सकता है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

उनसे पश्चिम बंगाल विद्युत वितरण कंपनी को विद्युत की आपूर्ति शुरू करने की उम्मीद है। उनको केवल दो यूनिटों के लिए पीपीए प्राप्त हुआ है। अतः जब वे विद्युत की आपूर्ति करना शुरू कर देंगे तो मेरी समझ से यह उससे बढ़ाना चाहिए जो मैं कह सकता हूँ।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

इस वित्त वर्ष के अंत तक उनसे राजस्व का सृजन होना शुरू हो जाना चाहिए और कार्यक्रम के अनुसार ऋण चुकता करना भी शुरू कर देना चाहिए। उनमें कोयले की समस्या के कारण थोड़ा विलंब हुआ क्योंकि वे यूनिटों को चालू करने के लिए पर्याप्त कोयला प्राप्त करने में समर्थ नहीं हुए। अब यह मुद्दा करीब-करीब हल हो गया है और वे अपना उत्पादन शुरू करने वाले हैं।

अभिषेक सराफ, विश्लेषक

ठीक है। ठीक है, और महोदय, मेरी समझ से आपने राज्य संस्थाओं को 300 करोड़ रुपए मूल्य के ऋण का उल्लेख किया जो इस तिमाही में रिवर्स हो गया है, ठीक।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

जी हां।

अभिषेक सराफ, विश्लेषक

और महोदय ये कौन थे?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

यह मध्य प्रदेश में मध्य प्रदेश पावर जेनको की 2 × 600 मेगावाट की मालवा परियोजना है।

अभिषेक सराफ, विश्लेषक

ठीक है, महोदय बहुत अच्छा। और महोदय, आईएल एंड एफएस पर एक आखिरी बात। हमारे सभी

एक्सपोजर में आई एल एंड एफएस सिक्क्योर हैं, ठीक। वे नकदी प्रवाहों के विरुद्ध प्रतिभूत परिसंपत्तियां हैं।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

जी हां, हमारे टीआरए लेखा में पर्याप्त धन है, ये पांच एसपीवी हैं और नियंत्रण कंपनी से हमारा कोई लेनादेना नहीं है।

अभिषेक सराफ, विश्लेषक

ठीक है। बहुत - बहुत धन्यवाद।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न बी एंड के सिक्क्योरिटीज से प्रणव रजनी की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

अज्ञात प्रतिभागी

महोदय, नमस्कार। हम आपकी ओर से एक क्विक अपडेट प्राप्त करना चाहते हैं। चूंकि नवीकरणीय ऊर्जा में हमारा शेयर बढ़ रहा है। इसलिए क्या आप बता सकते हैं कि कोई परियोजना शुरू करने के लिए निगरानी अवधि क्या है और प्रचालन आरंभ करने में उसे कितना समय लगता है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

देखिए, समान्यतः परियोजना को पूरा करने अर्थात् कार्यान्वयन के लिए लगभग 6 माह से 9 माह का समय लगता है। और हम लगभग 6 माह से एक वर्ष का ऋण स्थगन प्रदान करते हैं जो स्थिति पर निर्भर होता है। और इसके बाद ऋण चुकता करने का समय आरंभ होता है।

अज्ञात प्रतिभागी

अतः कल्पना करें कि यदि प्रचालन आरंभ होने में एक साल का समय लग जाता है तो कितने समय बाद आप नकदी प्रवाह सृजित होने की अपेक्षा करते हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

देखिए, चालू होने के शीघ्र बाद नकदी प्रवाह आरंभ हो जाएगा। केवल यह बात है कि ऋण स्थगन प्रदान किया जाता है ताकि टीआरए में ऋण चुकता करने के लिए कुछ राशि जमा हो जाए। इसलिए हम समान्यतः लगभग 6 माह का ऋण स्थगन प्रदान करते हैं, या कुछ मामलों में एक साल तक का ऋण स्थगन प्रदान करते हैं। इसके बाद ऋण चुकता करने की शुरुआत होती है और साथ में ब्याज भी चुकाया जाता है। ब्याज के लिए कोई ऋण स्थगन नहीं है।

अज्ञात प्रतिभागी

ठीक है। महोदय, आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एनवीएस ब्रोकरेज से पार्थव जानसन की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

महोदय, नमस्कार। मैं सबसे पहले यह कहना चाहता हूँ कि जिस तरह से आपने समझाया वह उत्तम है, यह वास्तव में बहुत बढ़िया था। महोदय, मेरा प्रश्न 22 दबावग्रस्त परियोजनाओं के संबंध में है। क्या आप मुझे इन सभी परियोजनाओं के बारे में फिर से बता सकते हैं क्योंकि मैं केवल इनमें से दो के बारे में समझ पाया और जब आप परियोजनाओं का जिक्र कर रहे थे तो मैं उनमें से दो को स्किप कर गया।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

ठीक है। इनमें से 8254 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ 5 परियोजनाएं समाधान के उन्नत चरणों पर हैं। ये परियोजनाएं जीएमआर छत्तीसगढ़, झबुआ पावर, केएसके महानदी हैं जहां सौदों को बंद करने के लिए एच1 बोलीदाता के साथ बातचीत चल रही है। इंडियाबुल्स अमरावती तथा एस्सार माहन जहां मौजूदा प्रबंधन द्वारा एकबारगी समझौता प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, अंतिम रूप दिए जाने के अधीन हैं।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

ठीक है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

5155 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ आरकेएम पावरजेन चरण 1 और चरण 2 में। अच्छी खबर यह है कि प्रायोगिक योजना के तहत 550 मेगावाट के लिए पीपीए पर हस्ताक्षर हो गए हैं।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

सरकार की, ठीक। सरकार की नई प्रायोगिक योजना का?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

पीटीसी तथा पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की प्रायोगिक योजना।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

ठीक है, ठीक है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

इसी तरह इंडियाबुल्स नासिक में हमारा एक्सपोजर 3000 करोड़ रुपए का है और महाजेनको के साथ चर्चा अभी भी चल रही है। 8100 करोड़ रुपए के हमारे एक्सपोजर के साथ 9 परियोजनाओं का समाधान एनसीएलटी के माध्यम से किया जा रहा है।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

कौन से 8,100 करोड़ रुपए?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

8,100 करोड़ रुपए की परियोजनाएं।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

अतः नासिक, इंडियाबुल्स में आपका एक्सपोजर 3000 करोड़ रुपए के आसपास है, तो?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

8100 करोड़ रुपए के एक्सपोजर वाली यह नौ परियोजनाएं -

पार्थव जानसन, विश्लेषक

ठीक है, ठीक है, ठीक है, समझ गया। इस समय ये सभी एनसीएलटी में हैं।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

ईस्ट कोस्ट एनर्जी, इंड भारत मद्रास, इंड भारत उत्कल, लैंको अमरकंटक, श्री माहेश्वर, कोनासीमा गैस, केवीके नीलांचल, जल पावर, कृष्णा, गोदावरी और एस्टोनफील्ड।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

ठीक है, समझ गया, महोदय समझ गया, समझ गया। ठीक है, और आपकी समझ से विद्युत कैसे आगे बढ़ रहा है क्योंकि आपने अभी अभी कहा कि आप नवीकरणीय ऊर्जा की ओर अधिक ध्यान देंगे। तो क्या आप हमें बता सकते हैं देश में किस तरह की मांग होगी और नवीकरणीय ऊर्जा के संबंध में देश की प्रगति किस प्रकार की होगी?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

वस्तुतः यदि आप देखें तो पिछले दो से तीन महीनों में विद्युत विनिमय में व्यस्ततम समय के दौरान विद्युत की मांग बढ़कर 17 रुपए - 18 रुपए हो गई है।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

जी हां, बिल्कुल ठीक।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

दिसंबर के अंत तक सौभाग्य योजना के पूर्ण हो जाने के बाद सिस्टम में मोटे तौर पर 28000 मेगावाट के लिए अतिरिक्त मांग सृजित होगी।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

ठीक है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

इसके अलावा, हमें थोड़ा अधिक यथार्थवादी होना होगा, चुनाव होने वाले हैं। इसलिए अधिकांश राज्य 24/7 बिजली प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। यदि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसा होता है तो उनको अधिक बिजली की आवश्यकता होगी, इसी वजह से कुछ विकासक मेरे पास वापस आए और मुझसे कहा कि पीपीए पर हस्ताक्षर करने में आपने हमारी मदद क्यों की, हालांकि हम पीपीए पर हस्ताक्षर के बगैर भी अच्छा धन कमा रहे थे, 8 रूपए प्रति यूनिट - 9 रूपए प्रति यूनिट।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

ठीक है। ठीक है, ठीक है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

इसके अलावा जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरण विशेषज्ञों की ओर से दबाव के कारण बदरपुर जैसे कुछ पुराने प्लांट अब बंद कर दिए गए हैं।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

ठीक है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

इसी तरह हमने देश में कुछ सब क्रिटिकल प्लांटों की पहचान की है जो स्टेट जेनको द्वारा दक्षता के साथ नहीं चलाए जा रहे हैं।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

ठीक है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

उनको भी बंद किया जाएगा। यह समय की मांग है। इसके अलावा नई परियोजनाएं, नए पीपीए सिस्टम में आएंगे। इस प्रकार पीपीए की कमी नहीं है तथा इन फ्लैगशिप योजनाओं के कार्यान्वयन

से मांग बढ़ रही है, मैंने आपको सौभाग्य, आईपीडीएस, आर-एपीडीआरपी के बारे में बताया। इसके अलावा चूंकि सिस्टम में सुधार हो रहा है इसलिए सिस्टम में अधिक विद्युत आ रही है। विद्युत की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता बेहतर है इसलिए व्यवधान की संख्या कम हुई है। यदि आपका सिस्टम अच्छा होगा तो यह अधिक विद्युत को समाहित कर सकता है, अधिक लोगों को अधिक विद्युत की आपूर्ति कर सकता है।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

महोदय ठीक है, ठीक है। और यदि मैं गलत नहीं हूँ तो आपने यह भी कहा कि एनआईएम मार्जिन ऐसी चीज है जिसे आप बनाए रखने का प्रयास करेंगे, इस प्रकार का एनआईएम मार्जिन आगे बढ़ रहा है, महोदय ठीक है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

हां, हां। यदि आप तिमाही दर तिमाही देखें तो हमने उसे बनाए रखा है।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

हां, हां, इस समय यह 3.33 के आसपास है और इससे पहले तिमाही 1 में यह 3.26 था। ठीक है, यह मेरी ओर से है। और महोदय, मेरी ओर से शुभकामनाएं। आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

पार्थव जानसन, विश्लेषक

आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न रिलायंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस से के ओ राशर की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

अज्ञात प्रतिभागी

जी। अवसर प्रदान करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। वास्तव में मेरा प्रश्न डेरिवेटिव के लेखांकन के संबंध में लेखांकन से संबंधित है जो हम पी एंड एल में कर रहे हैं। तो क्या यह पूरी तरह नकदी रहित प्रकृति का है और इसका लेखांकन कैसे किया जाता है क्योंकि मेरी समझ से इसका संबंध आय से भी है और व्यय से भी है। तो क्या आप इस पर कुछ प्रकाश डाल सकते हैं?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

नई लेखांकन पद्धति के अनुसार हमें संरक्षण के सभी लेनदेन पर एमटीएम करना होता है। अतः हमने जो भी संरक्षण लिया है उसे एमटीएम में शामिल करना होगा। इसलिए यह वह राशि है जो आय में दर्शायी जाएगी। परंतु साथ ही विदेशी मुद्रा अंतर में भी हमें व्यय को प्रदर्शित करना होगा। इसलिए यह दोनों में है, यदि आप आय को देखें तो यह संरक्षण के लेनदेन का एमटीएम है और

यदि आप व्यय को देखें तो यह विदेशी मुद्रा पर अंतर में हानि है। अंततः आपको निवल आंकड़ा देखना होगा। चूंकि कानून की आवश्यकता है इसलिए हमें अलग अलग दिखाना होगा परंतु अंततः निवल आंकड़ा महत्वपूर्ण होता है।

अज्ञात प्रतिभागी

ठीक है, समझ गया। अतः यह मूलतः गैर नकदी प्रकृति का होगा, ठीक है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
हां।

अज्ञात प्रतिभागी

और वृद्धि मूलक लागत जो हम मुद्रा प्रभाव के कारण वहन कर रहे हैं वह अब भी वित्तीय लागत के तहत वहन की जाएगी।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

जी हां, निश्चित रूप से, यह वित्त लागत है। वृद्धि संबंधी।

अज्ञात प्रतिभागी

ठीक है। और महोदय, मेरा दूसरा प्रश्न रिवर्सल के संबंध में है जिसके बारे में आपने मध्य प्रदेश परियोजना के संबंध में बोला। इसलिए उसे चरण 3 की परिसंपत्ति के तहत लेखांकित किया गया।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

अब यह चरण 1 में है। ये ऐसी परिसंपत्तियां हैं जिनका हमने दो साल पहले 2017 में एनपीए किया था। परंतु निर्दिष्ट अवधि पूरी हो जाने के बाद, भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार 5 प्रतिशत का प्रावधान जो पहले इसमें किया गया था, अब निर्दिष्ट अवधि पूरी हो जाने के बाद रिवर्स हो गया है।

अज्ञात प्रतिभागी

महोदय, ठीक है, समझ गया। आपका बहुत - बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न डॉयचे बैंक से अभिषेक सराफ की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

अभिषेक सराफ, विश्लेषक

पुनः अवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद। संवितरण की संरचना पर एक छोटा सा प्रश्न, यदि हम स्लाइड 13 को देखें तो उत्पादन, पारेषण और वितरण की दृष्टि से ऋण की संरचना 70 प्रतिशत के

साथ उत्पादन की ओर अधिक झुकी हुई है, जबकि वितरण में 15 प्रतिशत है। परंतु वृद्धि मूलक आधार पर, यदि मैं देखता हूँ तो इस तिमाही के लिए वितरण कुल संवितरण का लगभग 43 प्रतिशत था। और उत्पादन का हिस्सा 32 प्रतिशत तथा पारेषण का हिस्सा 14 प्रतिशत था। क्या कोई ऐसी चीज है अर्थात् क्या हम सोच समझकर इस मिश्रण को परिवर्तित करने का प्रयास कर रहे हैं। यदि ऐसा है तो ऐसा क्यों है या इस समय ऐसा हो रहा है जो इस समय की मांग पर निर्भर है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

देखिए, उत्पादन में हमारा मुख्य संवितरण नवीकरणीय ऊर्जा के लिए है। और आप जानते हैं कि नवीकरणीय ऊर्जा का आकार क्या है, इसलिए पहले जो हमारे उत्पादन में संवितरण 60 प्रतिशत, 70 प्रतिशत था वह आंकड़ा अब नहीं होगा। हम वितरण क्षेत्र में संवितरण कर रहे हैं तथा संवितरण के लिए पर्याप्त राशि का संवितरण किया गया है जो 43 प्रतिशत के आसपास है।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

वास्तव में इन फ्लैगशिप योजनाओं के कारण राज्यों को अपनी उप-पारेषण एवं वितरण प्रणाली को उन्नयन एवं सुदृढ़ करना होगा ताकि ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्रों में विद्युत को समाहित किया जा सके, यदि उनको सबके लिए 24/7 बिजली प्रदान करनी है। इसलिए इन फ्लैगशिप योजनाओं के तहत धन प्राप्त करने के अलावा वे अपने सिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए ऋण भी ले रहे हैं। इसी वजह से पारेषण एवं वितरण में हमारा शेयर बढ़ रहा है। और बड़ी कोयला आधारित उत्पादन परियोजनाओं के बारे में अब विचार नहीं किया जा रहा है, जहां पहले काफी मात्रा में धन का प्रयोग हुआ करता था। ये नवीकरणीय परियोजनाएं आकार की दृष्टि से छोटी हैं तथा आकार के अनुसार उनका पूंजी व्यय इतना अधिक नहीं होता है क्योंकि यदि आप ताप विद्युत परियोजनाओं से उनकी तुलना करें तो आकार बहुत बड़ा, बहुत व्यापक होना चाहिए, जो कि नहीं है।

अभिषेक सराफ, विश्लेषक

निश्चित रूप से। ठीक है। बहुत - बहुत धन्यवाद।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न क्वांटम सिक्योरिटीज से अमित राणे की पंक्ति से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

अमित राणे, विश्लेषक

नमस्कार, महोदय अवसर प्रदान करने के लिए आपका धन्यवाद। मैं बस यह जानना चाहता हूँ कि कितने खारों को एनसीएलटी में संदर्भित किए जाने की संभावना है, यदि उच्चतम न्यायालय उस स्टे को हटा देता है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

9 परियोजनाएं एनसीएलटी के पास पहले से ही हैं। उच्चतम न्यायालय के इस आदेश के बाद 6 परियोजनाओं के एनसीएलटी में जाने की संभावना है, यदि हम एनसीएलटी के बाहर उनका समाधान करने में समर्थ नहीं होते हैं क्योंकि महाजनों के विभिन्न बोर्ड समाधान करने और जायजा लेने का प्रयास कर रहे हैं। यदि हम इनका समाधान करने में असफल रहते हैं तो हम एनसीएलटी के पास जाएंगे।

अमित राणे, विश्लेषक

और महोदय इन 6 परियोजनाओं की राशि कितनी है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

अमूमन 15500 करोड़ रुपए।

अमित राणे, विश्लेषक

और उस पर हमारा प्रावधान कवरेज कितना है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

अधिकांश मामलों में हम लगभग 52 प्रतिशत - 55 प्रतिशत प्रावधान पहले ही कर चुके हैं और एनसीएलटी मामलों में यह अधिक होता है।

अमित राणे, विश्लेषक

बिल्कुल ठीक। और महोदय, आखिरी प्रश्न, हमारा जो यह प्रावधान है उसके अलावा आरबीआई की आवश्यकता के अनुसार आप करीब 15 बिलियन रुपए का प्रावधान कर सकते हैं, क्या आप इस बारे में कुछ रोशनी डाल सकते हैं कि कब हमें आरबीआई से निर्णय प्राप्त होने की संभावना है?

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

हम आरबीआई से पहले ही अनुरोध कर चुके हैं परंतु विवेकपूर्ण प्रयास के रूप में हमने वह लिया है जो अधिक है। इसलिए हमने अधिक प्रावधान किया है, यदि हमें कोई स्पष्टीकरण प्राप्त होता है तो हम उस राशि को पलट देंगे। राशि 1400 करोड़ रुपए के आसपास है।

अमित राणे, विश्लेषक

ठीक है।

संचालक

धन्यवाद। समय की कमी के कारण यह इस सत्र का आखिरी प्रश्न था। अब हम समापन टिप्पणियों के लिए इसे सुश्री श्वेता दफ़्तरदार को वापस सौंपते हैं।

श्वेता दफ़्तरदार, विश्लेषक

प्रभुदास लीलाधर की ओर से हम पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के प्रबंधन का धन्यवाद करते हैं। आप सभी का धन्यवाद।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

महोदया, आपका बहुत - बहुत धन्यवाद। आप सबका बहुत - बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से हम इस सम्मेलन को समाप्त करते हैं। हमारे साथ जुड़ने के लिए आपका धन्यवाद और अब अपनी लाइनें डिस्कनेक्ट कर सकते हैं।
